Raj Express (Indore), 20th August 2025, Page- 05

तकनीक, नवाचार से इंदौर एक नई आर्थिक ऊंचाई प्राप्त कर सकता है

2030 तक जीडीपी डबल करने हुई विकास की पहल

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

इंदौर शहर की वर्ष 2030 तक जीडीपी डबल करने एवं इंदौर को रहने के लिए भारत का बेहतर शहर बनाने के उद्देश्य से आईआईटी इंदौर में एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विषय पर सांसद लालवानी ने आईआईटी के प्रोफेसर एवं छात्रों से संवाद किया। कार्यक्रम में आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि किसी लोकसभा क्षेत्र की जीडीपी को डबल करने का यह विचार बेहद अभिनव और दूरदर्शी है। तकनीक, नवाचार और अपस्किलिंग से इंदौर एक नई आर्थिक ऊंचाई प्राप्त कर सकता है, और इसमें आईआईटी इंदौर एक अहम भूमिका निभा सकता है।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि आईआईटी इंदौर जैसी विश्वस्तरीय संस्था का मेरे लोकसभा क्षेत्र में होना गौरव की बात है। यहां के छात्रों और प्रोफेसरों की प्रतिभा और शोध हमारे शहर के औद्योगिक विकास में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ बुनियादी ढांचे का

विकास नहीं, बल्कि जीडीपी की सोच से विकास का एक नया मॉडल बनाना है। सांसद लालवानी ने आईआईटी द्वारा इंदौर एवं आसपास के क्षेत्र के विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न पायलट प्रोजेक्ट्स एवं स्टडी की सराहना की और कहा कि आईआईटी का राष्ट्र निर्माण में बहुत बड़ा योगदान रहा है और आईआईटी इंदौर में भी बहुत कम समय में ख्याति अर्जित की है। उन्होंने टेक्नोलॉजी को क्षेत्रीय स्तर पर लागू करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट्स पर विचार करने का सुझाव दिया और शहर के युवाओं को स्टार्टअप्स व रिसर्च आधारित इंडस्ट्री में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। युवाओं से संवाद ने कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने रोजगार, स्टार्टअप संस्कृति, पर्यावरण और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को साझा किया।